हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 10 मई 2026

04 सड़क बना बिछौना, ट्रॉली की छांव सहारा...

07 अंधेकत्ल का खुलासा, पुरानी रंजिश में दी थी मौत, चंद...

खबर संक्षेप

डिजिटल एडमिशन में समग्र-अपार आईडी जरूरी, बाहरी छात्र परेशान

सीहोर। जिले के कॉलेजों में नए शिक्षा सत्र के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू होते ही कियोस्क सेंटरों पर छात्रों और अभिभावकों की भीड़ बढ़ गई है। उच्च शिक्षा विभाग ने इस बार प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल कर दी है। बीए, बीकॉम, बीएससी जैसे यूजी कोर्स। एमए, एमकॉम, एमएससी सहित पीजी कोर्स। रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। दस्तावेजों का सत्यापन भी शुरू हो गया है। इस बार सिर्फ अंकसूची से काम नहीं चलेगा। समग्र आईडी देना अनिवार्य है। अपार आईडी यानी एबीसी रजिस्ट्रेशन भी जरूरी है। मूल निवासी प्रमाण पत्र भी लगेगा। आधार से लिंक मोबाइल नंबर भी देना होगा। ओटीपी और पासवर्ड इसी नंबर पर आएंगे।

आंखों देखा हाल : बांग्लादेश बॉर्डर के पास से भाजपा का प्रचार-प्रसार कर लौटे धर्मेंद्र ने सुनाई बंगाल की कहानी

वैष्णवनगर विधानसभा में 2 महीने तक मोर्चा संभालकर लौटे बीजेपी कार्यकर्ता ने साझा किए अनुभव, बोलेः वहां माथे पर तिलक और हाथ में कलावा बांधने तक से डरते हैं लोग

सीहोर। पश्चिम बंगाल के चुनावी महासंग्राम में भारतीय जनता पार्टी की ओर से महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाकर लौटे सीहोर के युवा नेता धर्मेंद्र महेश्वरी ने वहां के जमीनी हालातों का ऐसा आंखों देखा हाल साझा किया है, जो आश्चर्यजनक है। बांग्लादेश की सीमा से सटे मालदा जिले की वैष्णवनगर विधानसभा के इंचार्ज के रूप में युवा टीम के सदस्य धर्मेंद्र महेश्वरी ने वहां दो महीने से अधिक समय बिताया और विपरीत परिस्थितियों में पार्टी के लिए प्रचार प्रसार किया और सफलता मिली।

धर्मेंद्र महेश्वरी ने बताया कि वैष्णवनगर विधानसभा भारत के पश्चिम बंगाल का वह आखिरी हिस्सा है, जहां से बांग्लादेश की सरहद शुरू हो जाती है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां के हालात बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने बताया बंगाल में आज भी डर और भय का ऐसा माहौल है कि आम आदमी अपनी धार्मिक पहचान जाहिर करने से घबराता है। बंगाल के कई हिस्सों में हिंदू समुदाय दहशत में है, लोग हाथों में कलावा बांधने और माथे पर तिलक लगाने से कतराते हैं। कई मंदिरों में तो सुरक्षा के लिहाज से 24 घंटे ताले लटके रहते हैं।

हिंसा और बंधक बनाने का दौर

बंगाल में चुनावी हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि प्रवास के दौरान 1 अप्रैल को मालदा में कुछ न्यायिक अधिकारियों तक को बंधक बना लिया गया था। ऐसी विषम परिस्थितियों में भी सीहोर के धर्मेंद्र महेश्वरी और जबलपुर के डॉ. जय रोहानी सहित प्रदेश के अन्य 14 कार्यकर्ताओं ने डटकर काम किया। वे कार्यकर्ताओं के घरों पर ही भोजन करते थे, जहां उन्होंने हर परिवार के चेहरे पर डर साफ देखा। धर्मेन्द्र ने बताया कि पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी के अंतर्गत हमने जमीनी स्तर पर बाईक रैली, युवा अड्डा, मशाल यात्रा, युवा सम्मेलन, फोकस, डोर टू डोर कैंपियन जैसे अनेक काम अपनी विधानसभा क्षेत्र वैष्णनगर में किए।

चुनौतियों के बीच घर-घर किया प्रचार

मध्य प्रदेश से गए 14 सदस्यीय युवा दल में शामिल धर्मेंद्र महेश्वरी ने बताया कि टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) के कार्यकर्ता भाजपा के प्रवासी कार्यकर्ताओं को दुश्मन की नजर से देखते थे। कदम-कदम पर व्यवधान डालने और डराने की कोशिशें की गईं, लेकिन संगठन के भरोसे उन्होंने बिना डरे घर-घर जाकर भाजपा का संकल्प पहुंचाया। उन्होंने बताया कि वहां का युवा रोजगार के अभाव में पलायन को मजबूर है और महिलाओं में सुरक्षा को लेकर गहरा डर देखा गया।

2400 से हारे थे, अब 46 हजार से जीते

धर्मेंद्र महेश्वरी ने बताया कि साल 2021 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी यहां महज 2400 वोटों से हार गए थे, लेकिन इस बार भाजपा के राजू कर्मकार ने टीएमसी के प्रत्याशी को 46 हजार से ज्यादा वोटों के भारी अंतर से पटखनी दी है। राजू कर्मकार की इस ऐतिहासिक जीत में मप्र की इस युवा टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने बॉर्डर के उस अंतिम छोर पर विपरीत हालातों के बीच भाजपा का परचम लहराया। धर्मेंद्र महेश्वरी ने इसे पार्टी के संकल्प और कार्यकर्ताओं की सामूहिक जीत बताया है।

सीहोर-आष्टा के कई शासकीय स्कूलों में मरम्मत के नाम पर बड़ा खेल

भ्रष्टाचार की सेंधः बच्चों के हक के लाखों रुपए डकार गए जिम्मेदार

सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार इस राशि का उपयोग स्कूल भवनों की मरम्मत, रंगाई-पुताई, टपकती छतों को ठीक करने, शौचालयों के निर्माण, फर्श सुधार और दरवाजे-खिड़कियों को नया जीवन देने के लिए किया जाना था।

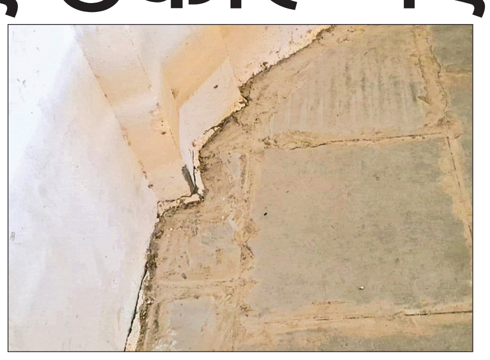

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

हरिभूमि पड़ताल

कहते हैं शिक्षा का मंदिर वह स्थान है जहां भविष्य की नींव रखी जाती है, लेकिन जब इस मंदिर की दीवारों और छतों की मरम्मत की राशि ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाए तो सवाल व्यवस्था की नियत पर उठने लगते हैं। जिले के सीहोर ब्लॉक और आष्टा विधानसभा क्षेत्र में कुछ ऐसा ही मामला गरमाया हुआ है। यहां शासकीय स्कूलों में मरम्मत और कायाकल्प के नाम पर लाखों रुपयों का बंदरबांट किया गया है। आरोप है कि शासन द्वारा प्रत्येक स्कूल को लगभग 5.5 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि जारी की गई थी, लेकिन यह पैसा विद्यार्थियों की सुविधाओं में सुधार लाने के बजाय बिचौलियों और ठेकेदारों की जेबों में चला गया।

सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार इस राशि का उपयोग स्कूल भवनों की मरम्मत, रंगाई-पुताई, टपकती छतों को ठीक करने, शौचालयों के निर्माण, फर्श सुधार और दरवाजे-खिड़कियों को नया जीवन देने के लिए किया जाना था। उद्देश्य था कि सरकारी स्कूलों में पढने वाले गरीब बच्चों को प्राइवेट स्कूलों जैसा बेहतर वातावरण मिले। लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। जिन स्कूलों में काम का दावा किया गया है, वहां या तो काम बीच में ही छोड़ दिया गया है या फिर बेहद घटिया दर्जे की सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। कई स्कूलों में तो नई टाइल्स और पुताई कुछ ही दिनों में उखडने लगी है।

पूर्णता प्रमाण पत्र का 'जादू, बिना काम हुए भुगतान

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू 'पूर्णता प्रमाण पत्र' का खेल है। नियमानुसार जब तक विभागीय इंजीनियर और सत्यापन टीम कार्य से संतुष्ट न हो जाए तब तक राशि का अंतिम भुगतान नहीं किया जा सकता। लेकिन यहां आश्चर्यजनक रूप से आधे-अधूरे और विवादित कार्यों को भी 'पूर्ण' दिखा दिया गया। फर्जी तरीके से पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए। शासकीय कोष से लाखों रुपये की पूरी राशि निकाल ली गई। इससे यह साबित होता है कि यह केवल ठेकेदारों की मनमानी नहीं है, बल्कि विभाग के भीतर बैठे कुछ सफेदपोशों का भी उन्हें खुला संरक्षण प्राप्त है।

शिक्षकों और प्राचार्यों का छलका दर्द

स्कूलों के प्रबंधन और शिक्षकों ने इस कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। शासकीय हाईस्कूल खामखेड़ा बैजनाथ के प्राचार्य केएल मालवीय ने बताया कि ठेकेदार ने स्कूल की जरूरतों और शिक्षकों की मांग को पूरी तरह अनसुना कर दिया। उन्होंने कहा हमारे स्कूल में अपनी मर्जी से थोड़ा सा कोटा स्टोन लगाकर खानापूर्ति कर दी गई। न तो टीनशेड लगाया गया और न ही टाइल्स का काम पूरा हुआ। काम पूरी तरह अधूरा पड़ा है और कोई सुनने वाला नहीं है। शिक्षकों का यह भी आरोप है कि पूरे निर्माण कार्य के दौरान किसी भी विभागीय इंजीनियर ने मौके पर आकर निरीक्षण नहीं किया। ठेकेदार अपनी मर्जी से घटिया काम करते रहे और अधिकारी दफ्तरों में बैठकर फाइलों पर मुहर लगाते रहे।

जांच टीम भी रह गई दंग

शिक्षा विभाग द्वारा जब शिकायतों के बाद एक भौतिक सत्यापन टीम भेजी गई तो वहां मौजूद सहायक यंत्री और एडीपीसी भी कार्यों की स्थिति देखकर संतुष्ट नजर नहीं आए। टीम ने स्पष्ट पाया कि काम गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरते। बावजूद इसके भुगतान हो जाना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल है।

राजनीतिक-प्रशासनिक मिलीभगत के आरोप

स्थानीय लोगों और शिक्षकों का कहना है कि बच्चों के भविष्य के साथ यह खिलवाड़ बिना राजनीतिक और प्रशासनिक सांठगांठ के मुमकिन नहीं है। लाखों रुपये जो स्कूलों की छतों को दुरुस्त करने के लिए थे, वे अब कमीशनबाजी की भेंट चढ़ चुके हैं।

कार्रवाई की जाएगी

इस मामले को लेकर ऊपर से जांच के आदेश प्राप्त हुए थे। हमने डीपीसी के सहायक यंत्री को पत्र लिखकर मूल्यांकन और तकनीकी जांच के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट में जो भी तथ्य और खामियां सामने आएंगी, उसके आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संजय सिंह तोमर, डीईओ सीहोर

कचरे की आग से जली केबलःमुख्य केबल जलने से टाउन फीडर बंद, कई इलाकों की बिजली गुल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

नगर के इंदौर नाका क्षेत्र में शनिवार को कचरे के ढेर में लगी आग के कारण विद्युत वितरण कंपनी की मुख्य केबल जल गई। आग की लपटों को देखते हुए एहतियात के तौर पर शहर के टाउन फीडर की बिजली आपूर्ति बंद करनी पड़ी। इसके चलते शहर के कई इलाकों में घंटों तक बिजली गुल रही और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

खंभे के नीचे जमा कचरे में भड़की थी आग

बिजली कंपनी के सहायक अभियंता (AE) अतुलेश सिंह ने बताया कि इंदौर नाका के पास बिजली के खंभों के नीचे भारी मात्रा में कचरा जमा था। शनिवार को अज्ञात कारणों से इस कचरे में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग की चपेट में आने से पास से गुजर रही मुख्य विद्युत केबल पूरी तरह जल गई, जिससे विभाग को आर्थिक नुकसान भी हुआ है।

बड़ा हादसा टला, सुधार कार्य में जुटी टीम

गनीमत रही कि आग लगने की जानकारी मिलते ही समय रहते बिजली आपूर्ति काट दी गई, जिससे कोई बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद विद्युत कंपनी की टीम मौके पर पहुंचकर जली हुई केबल को दुरुस्त करने में जुटी हुई है। इसके साथ ही एई अतुलेश सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली के खंभों और ट्रांसफार्मर (DP) के आसपास सूखी गंदगी और कचरा न फेंकें।

जिले के 2 सरकारी स्कूल बने नवाचार, गुणवत्ता की मिसाल

सीहोर। जिले के शासकीय स्कूल शिक्षा, नवाचार, स्वच्छता में नई पहचान बना रहे हैं। बदलाव के केंद्र में प्रधानाध्यापकों का नेतृत्व है। शिक्षकों की मेहनत है। दूरदर्शिता है। सकारात्मक सोच है। शासकीय माध्यमिक शाला कौड़ियाछीतू, शासकीय माध्यमिक शाला तकीपुर महुआखेड़ी के शिक्षकों ने दोनों स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता में लगातार सुधार के प्रयास किए। नए प्रयोग जोड़े। बच्चों के सर्वांगीण विकास पर काम किया। शिक्षक साथियों का सहयोग मिला। नेतृत्व मजबूत रहा।

प्रधानाध्यापक संजय सक्सेना ने बताया कि स्कूल का अंतरराष्ट्रीय स्तर की टीम ने अवलोकन किया। शिक्षा की गुणवत्ता की वैश्विक सराहना हुई। स्कूल पर दो से अधिक टेली फिल्म बनीं। यह जिले की पहली स्मार्ट शाला भी बनी। शिक्षकों के सहयोग से स्मार्ट शिक्षा व्यवस्था तैयार हुई। इससे पालकों का भरोसा शासकीय स्कूलों की तरफ बढ़ा। सत्र 2026-27 में यहां 189 छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं। यह छात्र संख्या घटने के सामान्य रुझान के उलट है।

शासकीय माध्यमिक शाला तकीपुर महुआखेड़ी ने स्वच्छता, शिक्षा में अलग पहचान बनाई। स्कूल का चयन राज्य स्तर पर हुआ। राष्ट्रीय स्तर की तैयारियां चल रही हैं। राज्य स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने अवलोकन किया। राष्ट्रीय स्तर के दल ने भी देखा। सीहोर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वच्छता, व्यवस्थाओं की सराहना की। यहां भी छात्र संख्या लगातार बढ़ रही है। यह गुणवत्ता का संकेत है।

भीषण सड़क हादसाः 108 एंबुलेंस व ट्रक में आमने-सामने की भिड़ंत

कैबिन में फंसे ड्राइवर को लोगों ने कड़ी मशक्कत से निकाला

इछावर। सीहोर-इछावर स्टेट हाईवे पर देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। दो पुलिया जोड़ के पास एक तेज रफ्तार 108 एम्बुलेंस और मालवा ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एम्बुलेंस का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया और ड्राइवर केबिन के मलबे में ही फंस गया।

हादसे के बाद क्या हुआ? रात करीब 11 से 11:30 बजे के बीच हादसा हुआ। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने अपनी जान पर खेलकर ड्राइवर को केबिन काटकर बाहर निकाला।

घायल ड्राइवर को अस्पताल ले जाने के लिए दूसरी 108 को फोन किया गया, लेकिन 1 घंटे तक कोई एम्बुलेंस नहीं पहुंची। समय पर मदद न मिलने से स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश जताया। बताया गया है कि बिना मरीज के सायरन और रफ्तार कारण बनी है। हादसे के बाद एक बार फिर एम्बुलेंस चालकों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। चश्मदीदों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि अक्सर 108 एम्बुलेंस चालक बिना किसी इमरजेंसी या मरीज के भी हाईवे पर तेज रफ्तार में सायरन बजाते हुए गाड़ियां दौड़ाते हैं।इन सरकारी वाहनों का उपयोग कई बार निजी कार्यों के लिए किया जाता है। यही कारण है कि जब कोई वास्तविक मरीज फोन करता है, तो एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराया। शुरुआती जांच में दुर्घटना की वजह तेज रफ्तार और लापरवाही मानी जा रही है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हादसे के वक्त एम्बुलेंस किसी मरीज को लेने जा रही थी या सायरन का गलत इस्तेमाल हो रहा था।

सीहोर में सीएनजी संकट गहराया, तीन पंपों पर उमड़ रही भीड़

लंबी कतारों में घंटों परेशान हो रहे वाहन चालक, कई लोगों को खाली लौटना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर में इन दिनों सीएनजी की किल्लत गंभीर समस्या बनती जा रही है। हालत यह है कि शहर के तीनों सीएनजी पंपों पर सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। घंटों इंतजार के बाद भी कई वाहन चालकों को मायूस होकर बिना गैस भरवाए लौटना पड़ रहा है। मांग बढ़ने और आपूर्ति कम रहने से आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। शहर में वर्तमान में तीन सीएनजी पंप संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनके बावजूद गैस की उपलब्धता जरूरत के मुकाबले कम पड़ रही है। सुबह और शाम के समय सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। ऑटो, टैक्सी और

निजी वाहन चालकों की लंबी लाइनें पंपों के बाहर आम बात बन गई हैं। कई बार वाहन चालकों को दो से तीन घंटे तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। पटेल पंप के संचालक शैलेष पटेल ने बताया कि वर्तमान में मांग और आपूर्ति के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। शहर में सीएनजी वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसके अनुरूप सप्लाई नहीं मिल पा रही है। इसी कारण कई बार स्टॉक जल्दी खत्म हो जाता है और लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि नियमित और पर्याप्त आपूर्ति मिलने पर ही स्थिति सामान्य हो सकती है। वाहन चालकों का कहना है कि सीएनजी सस्ती होने के कारण बड़ी संख्या में लोग अब इसी ईंधन का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन पर्याप्त गैस नहीं मिलने से रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। ऑटो चालकों का कहना है कि लाइन में लगने के कारण उनकी रोज की कमाई प्रभावित हो रही है। कई बार सवारी छोड़कर घंटों पंप पर खड़ा रहना पड़ता है। वहीं निजी वाहन मालिकों को भी कामकाज और यात्राओं में देरी का सामना करना पड़ रहा है।

गर्मी के मौसम में लंबी कतारों में खड़े रहना लोगों के लिए और अधिक मुश्किल साबित हो रहा है। नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित गैस कंपनियों से मांग की है कि सीएनजी की आपूर्ति बढ़ाई जाए, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है।

खबर संक्षेप

उमेश राज्यपाल द्वारा उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित

सीहोर। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस सोसायटी मध्य प्रदेश द्वारा समाज कल्याण, मानव सेवा एवं जनहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों हेतु शहर के युवा समाजसेवी व हिताय के संस्थापक उमेश पंसारी को प्रदेश के माननीय राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा उत्कृष्ट सेवा सम्मान दिया गया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से चुनिंदा युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को यह सम्मान दिया गया। उल्लेखनीय है कि उमेश विगत कई वर्षों से लगातार रक्तदान, नशामुक्ति, युवा सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उनके इन निरंतर और प्रभावी सामाजिक कार्यों को देखते हुए भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने उन्हें सम्मान के लिए चुना। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने उन्हें प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

सीहोर बाइज ने डीएसवाय को 2-0 से हराया

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में खेली जा रही जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार को सीहोर बाइज और डीएसवाय के मध्य खेला गया। इसमें आदित्य के शानदार गोल की वजह से सीहोर बाइज की टीम 2-0 से जीती। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया आदि शामिल थे। एसोसिएशन के प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार की शाम को सीहोर बाइज और डीएसवाय के मध्य मुकाबला खेला गया थी, इस मैच में सीहोर बाइज की टीम 2-0 से जीती। मैच में सीहोर बाइज की ओर से वंश और आदित्य ने 1-1 गोल किया।

जल संरक्षण जागरूकता कार्यशाला आयोजित

सीहोर। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग द्वारा बुधनी तहसील के ग्राम होलीपुरा में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य कृषकों एवं आमजन को जल संरक्षण के महत्व, वर्षा जल संचयन तथा सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के प्रति जागरूक करना था। कार्यशाला में किसानों को जल संरक्षण के व्यावहारिक उपायों, फसल जल प्रबंधन तथा उद्यानिकी फसलों में जल उपयोग दक्षता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कृषकों को खेत स्तर पर जल संरक्षण हेतु ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई, मल्चिंग, फार्म पॉन्ड, एवं वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच कमल सिंह ओझा सहित उद्यानिकी विभाग के अधिकारी और किसान उपस्थित थे।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव, भूखे-प्यासे किसान, क्षमता फुल, सूचना शून्य-बीच रास्ते फंसे किसान

सड़क बना बिछौना, ट्रॉली की छांव सहारा: 44 डिग्री में तपते किसान, खरीदी केंद्रों पर सिस्टम फेल

कार्यक्रम की तैयारियों में उलझा प्रशासन, तुलाई की सुस्ती से अन्नदाता बेहाल, 4 दिन से सड़क किनारे डटी ट्रॉलियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

एक तरफ सत्ता और संगठन "मेरा बूथ, मेरा अभिमान" के तहत मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषिमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी ताकत झोंक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अन्नदाता अपनी ही फसल बेचने के लिए सड़कों पर तपने को मजबूर है। 44 डिग्री की झुलसा देने वाली गर्मी में किसान खुले आसमान के नीचे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ दिन-रात डटे हैं। हालात इतने बदतर हैं कि सड़क ही उनका बिछौना बन गई है और ट्रॉली की छांव ही एकमात्र सहारा। डिजिटल और सुव्यवस्थित खरीदी व्यवस्था के दावों के बीच एक ट्रॉली गेहूं बेचने में 4-5 दिन लगना, पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

तुलाई की सुस्ती ने बढ़ाई मुश्किलें

तहसील भैरूंदा के अधिकांश उपार्जन केंद्रों पर अव्यवस्था चरम पर है। पहले स्लॉट बुकिंग की जटिल प्रक्रिया ने किसानों को परेशान किया, अब तुलाई की धीमी रफ्तार नई आफत बन गई है। ग्राम भादाकुई और आसपास के गांवों से आए किसानों का कहना है कि चार-चार दिन बीत जाने के बाद भी उनकी ट्रॉली की तुलाई नहीं हो पा रही। नियमों के मुताबिक जहां छह तौल कांटे होने चाहिए, वहां महज दो कांटों से काम चलाया जा रहा है। मजदूरों की कमी ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है, जिससे लंबी कतारें खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं।

व्यवस्था के नाम पर बहानेबाजी

किसानों का आरोप है कि खरीदी केंद्रों पर हर दिन कोई न कोई नया बहाना सामने आ जाता है। कभी वारदाना खत्म होने की बात कही जाती है, तो कभी तकनीकी खराबी का हवाला देकर खरीदी रोक दी जाती है। व्यवस्थाओं की कमी को छिपाने के लिए बहानेबाजी का सहारा लिया जा रहा है। न तो पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं और न ही प्रबंधन की कोई ठोस रणनीति नजर आ रही है।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव, भूखे-प्यासे किसान

:अधिकांश खरीदी केंद्र शहर से दूर वेयरहाउसों में संचालित हो रहे हैं, जहां पीने के पानी, छांव और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। किसान दिनभर तपती धूप में खड़े रहने को मजबूर हैं और रात ट्रॉलियों के नीचे काटते हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉली का बढ़ता किराया अलग से आर्थिक बोझ बन रहा है। कई किसानों ने बताया कि चार दिनों के इंतजार में उनका खर्च दोगुना हो चुका है।

कार्यक्रमों में व्यस्त प्रशासन, किसान दर-दर

10 मई को प्रस्तावित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम की तैयारियों में प्रशासन पूरी तरह व्यस्त नजर आ रहा है। बैठकों और आयोजन की तैयारियों के बीच किसानों की समस्याएं प्राथमिकता से बाहर होती दिख रही हैं। भादाकुई के किसान जब अपनी शिकायत लेकर तहसील कार्यालय पहुंचे, तो उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। अधिकारियों की अनुपस्थिति ने उनकी नाराजगी को और बढ़ा दिया। करीब चार घंटे बाद एसडीएम से मुलाकात होने पर किसानों का दर्द छलक पड़ा। एक किसान ने कहा, "हम खेत के मालिक हैं, लेकिन आज आपकी चौखट पर भिखारी बनकर खड़े हैं।" आश्वासन तो मिला, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई ठोस सुधार नजर नहीं आया है।

एक महीने से संकट, समाधान दूर

किसानों की परेशानी कोई नई नहीं है। पिछले एक महीने से वे कभी स्लॉट बुकिंग के लिए रात-रातभर मोबाइल और कंप्यूटर से जूझ रहे हैं, तो कभी खरीदी केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े हैं। इसके बाद भुगतान के लिए समितियों और बैंकों के चक्कर अलग से लगाने पड़ रहे हैं।

क्षमता फुल, सूचना शून्य-बीच रास्ते फंसे किसान

गुलरपुरा वेयरहाउस की क्षमता दो दिन पहले ही पूरी हो चुकी थी, लेकिन इसकी कोई पूर्व सूचना किसानों को नहीं दी गई। नतीजतन 50-60 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पिछले चार दिनों से सड़क किनारे खड़ी हैं। स्लॉट की समय सीमा नजदीक आने से किसानों की चिंता और बढ़ गई है। प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत लाड़कई स्थित बाबा वेयरहाउस पर खरीदी के निर्देश दिए हैं, लेकिन वहां भी तुलाई की धीमी गति के कारण राहत नहीं मिल पा रही।

नाराजगी: शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार का सब्जबाग, हकीकत में जनता से छल

भैरूदा। वैसे तो क्षेत्र में समस्याएं अनगिनत है, लेकिन इस समय मूलभूत सुविधाओं में शिक्षा स्वास्थ्य एवं रोजगार महत्वपूर्ण है। शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था होने पर साक्षरता का स्तर क्षेत्र में बढ़ता, स्वास्थ्य सेवाओं का तो यहां पता ही नहीं है और बेरोजगारों की फोज इस क्षेत्र में तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। कुछ ऐसे ही हालत है बुधनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भैरूंदा क्षेत्र में। जहां आज भी मूलभूत सुविधाओं की दरकार है। क्षेत्र में यह बात हमेशा मुद्दा बनकर उभरी है कि आखिर बुधनी की तरह भैरूंदा मैं सुविधाएं बढ़ाने पर जोर क्यों नहीं दिया गया। क्या इस क्षेत्र के मतदाताओं ने भरपूर आशीर्वाद नहीं दिया। यदि रिकॉर्ड उठाकर नजर दौड़ाई जाए तो वोटो का प्रतिशत सर्वाधिक रूप से यही का देखने को मिलेगा। इसके बावजूद भी यहां के मतदाताओं की मंशा के साथ अन्याय क्यों किया गया। लगातार 18 वर्षों तक केवल मुख्यमंत्री के रूप में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया है। वर्ष 2006 में पहले उप चुनाव लड़ा उसके बाद से ही भैरूदा की जनता ने उन्हें प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में सिरमौर बनाया। इसके बावजूद भी जनता की आकांक्षाओं को पूरा नहीं किया जा सका। केवल इस क्षेत्र की जनता ही नहीं बल्कि विपक्ष ने भी पूर्व मुख्यमंत्री की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि यह भी मानना होगा कि उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार की दिशा में उल्लेखनीय कार्य नहीं किये, लेकिन किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्होंने सिंचाई के संसाधनों को बढ़ाया। कृषि आधारित क्षेत्र होने के कारण उन्होंने इस दिशा में प्रयास किया लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर जिस तेजी के साथ बढ़ना था। उस दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं हुए। राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण का मसला हो या इस नगर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की बात। इन दोनों ही मामलों में इस क्षेत्र को मायूसी ही देखने को मिली है। गोपालपुर से बकतरा तक चकाचक फोरलेन का निर्माण कई वर्ष पूर्ण होना था लेकिन अभी भी सड़क का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। इतना ही नहीं जिला मुख्यालय से इस शहर की कनेक्टिविटी सीधी करने की दिशा में भी सड़क की बेहतरीन उपलब्धि जिला मुख्यालय तक देखने को नहीं मिल सकी है। वर्तमान में सड़क के निर्माण चल रहे हैं लेकिन अभी भी सीहोर से भैरूंदा राष्ट्रीय राजमार्ग की दरकार बनी हुई है।

अपनी जन्मभूमि को प्राथमिकता भैरूंदा की जनता के साथ भेदभाव

कांग्रेस नेता गोपाल शर्मा ने सीधे शब्दों में शिवराज सिंह चौहान की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बुधनी विधानसभा में भेरूंदा-नसरुल्लागंज के मतदाताओं के साथ हमेशा छलावा हुआ है। प्रदेश का नेतृत्व करने वाले मुखिया ने अपनी जन्मभूमि को प्राथमिकता दी और भेरूंदा की जनता के साथ भेदभाव किया। मेडिकल कॉलेज हो या रोजगार के लिए तीन बड़े उद्योग, सब बुधनी और बकतरा की झोली में डाल दिए गए। भेरूंदा के हिस्से में क्या आया? सिर्फ बड़ी भीड़ वाले आयोजन, खेल, संगीत और झूठी घोषणाएं। शर्मा ने आगे कहा कि यहाँ की भोली-भाली जनता को भजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उलझाकर रखा गया, जबकि अपने चहेते क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य के बड़े संस्थान खड़े कर लिए गए।

18 साल की सत्ता, पर भैरूंदा आज भी मूलभूत जरूरतों से अछूता

कांग्रेस नेता द्वारका जाट ने भी प्रशासनिक और राजनीतिक भेदभाव पर प्रहार किया है। उनका कहना है कि लगातार पाँच बार सांसद और 18 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहते हुए शिवराज ने रेवड़ियाँ बाँटने का काम किया। वोट की सबसे बड़ी हिस्सेदारी भेरूंदा तहसील से आती है। लेकिन विकास के मामले में हमें हमेशा 'बुद्धू' बनाया गया। आज किसान सड़क पर खड़ा है क्योंकि यहाँ मूलभूत ढांचा ही नहीं है। यह सिर्फ राजनीतिक भेदभाव नहीं, बल्कि हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि बड़े उद्योगों को बुधनी और बकतरा क्षेत्र में शिफ्ट कर दिया गया जिससे भेरूंदा के युवा पलायन को मजबूर हैं। मेडिकल कॉलेज की मांग तो भाजपा के ही एक वरिष्ठ नेता ने मंच से रखी लेकिन उस परियोजना को भी बुधनी में शिफ्ट कर दिया गया। विपक्ष का आरोप है कि भेरूंदा को सिर्फ चुनाव जीतने के लिए इस्तेमाल किया गया, विकास के लिए नहीं।

मंडी रोड पर 3 ओवरलोड रेत ट्रैक्टर जब्त

भैरूंदा। अवैध रेत परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे नायब तहसीलदार रामदास गोरले मंडी रोड पहुंचे। निरीक्षण किया। इस दौरान रेत से भरे तीन ओवरलोड ट्रैक्टर गुजरते मिले। टीम ने ट्रैक्टर रोके। जांच की। जांच में चालकों से रॉयल्टी और परिवहन के दस्तावेज मांगे गए। पर्याप्त और वैध दस्तावेज नहीं मिले। नायब तहसीलदार ने तीनों ट्रैक्टर जब्त कर लिए। जब्त ट्रैक्टर थाना परिसर में खड़े कराए गए। कार्रवाई से अवैध रेत परिवहन करने वालों में हड़कंप मच गया। प्रशासन ने कहा है कि अवैध खनन और ओवरलोड परिवहन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

बिना सच्चे भाव के केवल पूजा-पाठ निष्फल है : मुनि संस्कार सागर

सीहोर। आचार्य विनिश्चय सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि संस्कार सागर महाराज ससंघ संत भवन मे विराजमान है । श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर स्थित छावनी मे मुनि श्री के सानिध्य मे प्रातः प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जी की प्रतिमा के अभिषेक, शांति धारा नित्य नियम पूजन अर्चना धार्मिक अनुष्ठान श्रध्दालुओ ने संपन्न कर धर्म लाभ अर्जित किया । तत्पश्चात धर्म सभा मे मुनि श्री ने श्रध्दालुओ को संबोधित करते हुए प्रवचन मे भक्ति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहां कि भक्ति का अर्थ ईश्वर से वरदान मांगना नहीं, बल्कि

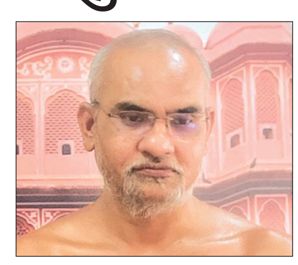

अपनी आत्मा के शुद्ध स्वरूप को पहचानकर परमात्मा अर्थात वीतरागी जैसा बनना है। यह 'स्वयं के द्वारा स्वयं को पाने' की प्रक्रिया है, जिसमें बाहरी क्रियाओं अर्थात क्रियात्मक भक्ति के साथ-साथ आंतरिक भावों की शुद्धि महत्वपूर्ण है। भक्ति के बिंदुः वीतराग भक्तिः जैन दर्शन में भगवान अरिहंत सिद्ध के प्रति राग-द्वेष रहित भक्ति की जाती है, क्योंकि वे वीतरागी हैं। उद्देश्य केवल गुणों को अपनाना है, याचना करना नहीं। क्रियात्मक व भावात्मक भक्तिः अनुसार, भक्ति बाहरी क्रिया और आंतरिक भाव दोनों रूप में होनी चाहिए। बिना सच्चे भाव के केवल पूजा-पाठ निष्फल है।आत्म-कल्याण का साधनः भक्ति का मुख्य उद्देश्य निज आत्मा को परमात्मा स्वरूप बनाकर मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होना है। पंच परमेष्ठी का स्मरणः णमोकार महामंत्र के माध्यम से पांचों परमेष्ठियों अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु की भक्ति से आत्म-शुद्धि होती है।

श्री सत्य सांई विश्वविद्यालय के कृषि स्नातकों के लिए साक्षात्कार लिया

सीहोर। श्री सत्य साँई विश्वविद्यालय के कृषि स्नातको हेतु साक्षात्कार आयोजित द्वारा साक्षात्कार का सीहोर की सत्यसाई प्रोद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय अंर्तगत स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर में बीएससी आनर्स कृषि के अन्तिम वर्ष के छात्रो हेतु विश्वस्तरीय कृषि आदान निर्माता कम्पनो बायर क्राप साइस लिमिटेड द्वारा आयोजन किया गया कम्पनी के क्षेत्रिय विपणन प्रबंधक संजय पटेल द्वारा छात्रो का साक्षात्कार किया गया। इस अवसर पर श्री पटेल ने बताया कि बायर क्रायसाइन्स लिग को फील्ड आफिसर के तीस पदों हेतु इंटर्नशिप के लिये अन्तिम वर्ष के छात्रों की आवस्यकता है। साक्षात्कार प्रक्रिया में छात्रों ने बदला भरपूर हिन्सेदारी की।

श्री पटेल के अनुसार कंपनी द्वारा प्रति वर्ष कृषि स्नातको हेतु इसप्रकार के साक्षात्कार आयोजित किये जाते रहेगें। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डा. मुकेश तिवारी

ने चयनित छात्रों पर बधाई प्रेषित करने हुऐ उनके उज्भजवल भाविष्य की कामना की है. तथा स्कूल आफ एग्रीकल्चर के अधिष्ठाता डॉ. विवेक सिंह तोमर ने बायर काप साइंस का आभार माना है।

स्वास्थ्य के लिहाज से तरबूज को बेहद फायदेमंद माना जाता

गर्मी चढ़ते ही भैरूंदा में तरबूज की धूम, 20 रुपए किलो में मिल रहा ठंडक का खजाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच क्षेत्र में इन दिनों लाल तरबूज की जबरदस्त मांग देखने को मिल रही है। सीहोर जिले सहित पूरे भोपाल संभाग में तापमान बढ़ने के साथ ही 'लाल तरबूज, मीठा गट्ट' लोगों की पहली पसंद बन गया है। सस्ती कीमत और शरीर को तुरंत ठंडक देने की वजह से हर वर्ग के लोग बड़ी मात्रा में तरबूज खरीद रहे हैं। मंडियों में इन दिनों तरबूज करीब 15 से 20 रुपए किलो के भाव से बिक रहा है और रोजाना आने वाला लगभग पूरा स्टॉक हाथों-हाथ निकल जा रहा है।

तेज धूप और बढ़ती गर्मी के बीच तरबूज व्यापारियों के चेहरे खिले हुए हैं। भोपाल संभाग की प्रमुख फल मंडियों में इन दिनों रोजाना 10 से 15 गाड़ियां तरबूज की पहुंच रही हैं, जिनका अधिकांश माल शाम तक पूरी तरह बिक जाता है। सुबह से ही मंडी में खरीदारों की भीड़ लगने लगती है, जहां फुटकर विक्रेता,

ठेला संचालक और आम उपभोक्ता बड़ी मात्रा में तरबूज खरीदते नजर आते हैं। बाजार से लेकर गली-मोहल्लों तक जगह-जगह ठेलों पर 'मीठा गट्ट' की आवाजें ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

कम कीमत में ज्यादा राहत देने वाला यह फल आम आदमी के बजट में आसानी से फिट बैठ रहा है। यही कारण है कि गरीब से लेकर मध्यम वर्ग तक हर कोई तरबूज की ओर रुख कर रहा है। खासतौर पर दोपहर के समय, जब गर्मी अपने चरम पर होती है, तब कटे हुए लाल तरबूज की बिक्री सबसे ज्यादा देखी जा रही है। ठेला संचालकों का कहना है कि ग्राहक बार-बार तरबूज खरीदने लौट रहे हैं, क्योंकि यह तुरंत ठंडक देता है और जेब पर भी भारी नहीं पड़ता।

स्वास्थ्य के लिहाज से भी तरबूज को बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में पानी होने के कारण यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है। साथ ही इसमें मौजूद प्राकृतिक शुगर शरीर को तुरंत ऊर्जा देती है, जिससे इसे एक तरह का नेचुरल ग्लूकोज भी कहा जाता है। डॉक्टर भी गर्मी के मौसम में तरबूज के सेवन की सलाह देते हैं, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

मंडी में आने वाला तरबूज मुख्य रूप से सीहोर जिले और भैरूंदा क्षेत्र के आसपास के ग्रामीण इलाकों से पहुंच रहा है। लगातार सप्लाई बने रहने के कारण कीमतों में फिलहाल स्थिरता बनी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि यदि इसी तरह आवक जारी रही तो आम लोगों को आने वाले दिनों में भी सस्ते दाम पर तरबूज मिलता रहेगा।

आगे आने वाले दिनों में 'नौतपा' के दौरान तापमान और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में तरबूज की मांग में और तेजी आने की उम्मीद है। व्यापारियों के अनुसार, जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी, वैसे-वैसे बाजार में इसकी खपत भी बढ़ती जाएगी। फिलहाल तरबूज न केवल गर्मी से राहत का सबसे सस्ता साधन बन गया है, बल्कि बाजार में इसकी रिकॉर्ड बिक्री भी गर्मी के तेवरों की कहानी बयां कर रही है।

प्रगणकों ने केवल 8 दिन में पूरा किया जनगणना कार्य, तहसीलदार ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सीहोर तहसील ग्रामीण चार्ज में कार्यरत 02 प्रगणकों विनोद कुमार त्यागी और रूपसिंह वर्मा ने उत्कृष्ट कार्य कुशलता का परिचय देते हुए मात्र 08 दिनों में ही में ही अपने कार्यक्षेत्र में मकान सूचीकरण का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर एक सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस प्रतिबद्धता, परिश्रम और कार्य के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए तहसीलदार डॉ अमित सिंह द्वारा उन्हें फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही तहसीलदार डॉ अमित सिंह ने बताया कि सीहोर नगर तहसील ग्रामीण चार्ज अंतर्गत भी जनगणना के प्रथम चरण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो गया है। इस उपलब्धि के लिए प्रगणक

धीरज एवं सुपरवाइजर बृजेश शर्मा को सम्मानित किया गया। इन प्रगणकों द्वारा कम समय में शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति न केवल अन्य प्रगणकों के लिए प्रेरणास्त्रोत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि यदि जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य किया जाए तो निर्धारित समयसीमा के भीतर उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य 01 मई से 30 मई तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें प्रगणक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य कर रहे हैं और निर्धारित प्रपत्रों में परिवारों की आवश्यक जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे प्रगणकों को सही जानकारी दें और जनगणना में सहयोग करें। उन्होंने कहा है कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, संसाधनों के समुचित वितरण एवं विकास योजनाओं की बेहतर योजना निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंधेकत्ल का खुलासा, पुरानी रंजिश में दी थी मौत, चंद घंटे में आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा

पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी द्वारा जिले में घटित गंभीर अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केएल बंजारे तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नरसिंहगढ़ श्रीमति मिनी शुक्ला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मलावर उप निरीक्षक रजनेश सिरोठिया के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी को चंद घंटों में गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई।

फरियादी रामप्रसाद वाल्मिकी पिता मुंशीलाल वाल्मिकी निवासी मलावर द्वारा 29 अप्रैल को थाना उपस्थित होकर अपने पुत्र गोलू वाल्मिकी के अचानक लापता हो जाने की सूचना दी गई। जिसमें बताया कि उसका पुत्र घर से निकलने के बाद वापस नहीं लौटा, जिस पर थाना मलावर में गुम इंसान क्रमांक 13/26 कायम कर जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेही रघुवीर सिंह पिता लालजीराम सौंधिया की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पुलिस द्वारा संदेही से सख्ती एवं वैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गई, जिसमें

आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते गोलू वाल्मिकी की हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि उसने दिनांक 29.04.2026 को दोपहर लगभग 01 बजे कमल दांगी के खेत के पास स्थित अरन्या नाले में गमछे से गला दबाकर हत्या कर शव को छिपा दिया था।

पुलिस तलाशी अभियान चलाकर की कार्रवाई

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल घटनास्थल पहुंचकर तलाशी अभियान चलाया गया, जहां अरन्या नाले से मानव कंकाल बरामद किया गया। मृतक की पहचान उसके पिता द्वारा पहने हुए कपड़ों के आधार पर की गई। इस पर थाना मलावर में 'मर्ग क्रमांक 06/26 धारा 194 बीएनएसएस' कायम कर जांच में लिया गया। मर्ग जांच के दौरान मामला हत्या का पाए जाने पर थाना मलावर में धारा 103(1) बीएनएस एवं 3(2)(अ) एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रघुवीर सिंह सौंधिया को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय राजगढ़ के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण की विवेचना जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मलावर उनि रजनेश सिरोठिया, प्र.आर. श्रीकांत शुक्ला, प्र.आर. संजय भार्गव, प्र.आर. रोडेलाल, प्र.आर. देवीसिंह, प्र.आर. विनोद यादव, आर. दीपक, आर. विक्रम, आर. जीवन सिंह, आर. महेश पूर्विया, आर. मुकेश भील, आर. राजेन्द्र वर्मा, आर. लोकेश विश्वकर्मा, \म.आर. अंजली चैसाइबर शाखा प्रभारी उनि जितेन्द्र अजनारे, आर. सुमित एवं आर. पवन मीणा की सराहनीय भूमिका रही।

रोटी बनाने की बात पर पत्नी की हत्या, रोने-बिलखने का नाटक करने वाला पति 48 घंटे में गिरफ्तार किया

सारंगपुर। लीमाचैहान थाना क्षेत्र के ग्राम घोंसला में महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने महज 48 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतिका के पति को गिरफ्तार किया है, जिसने पहले घटना को सामान्य मौत बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी। पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित कुमार तोलानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एल.एल. बंजारे तथा एसडीओपी नेहा गौर के मार्गदर्शन में लिमचैहान पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 6 मई 2026 को थाना लिमचैहान को सूचना मिली थी कि ग्राम घोंसला में करीब 50 वर्षीय महिला मृत अवस्था में पड़ी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां महिला के सिर और छाती पर गंभीर चोटों के निशान मिले। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतिका पूरी बाई के पति सिद्धनाथ तंवर के बयान और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों में विरोधाभास सामने आया। पुलिस को मृतिका और आरोपी के कपड़ों पर खून के धब्बे मिले।

कृषि उपज मंडी के गोदाम से धनिया की एक बोरी चोरी, सीसीटीवी में कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ माचलपुर

नगर की कृषि उपज मंडी में 27 अप्रैल रात्रि में व्यापारी रामबाबू राठौर के गोडाउन से धनिए की बोरियां चोरों द्वारा चुरा ली गई थी। यह घटना सीसी टीवी में कैद हो गई। जिस पर फरियादी ने एक आवेदन थाना प्रभारी को कार्यवाही के लिए दिया।

जिस पर पुलिस ने कृषि उपज मंडी का निरीक्षण कर सीसी टीवी फुटेज खगाले। आवेदन देने के दूसरे दिन बाद फिर चोर मंडी में आए और एक बोरी धनिए की चुरा ले गए। इस पूरी वारदात को चोरों ने बिना किसी भय के अंजाम दिया है। नगर के कृषि उपज मंडी जिसे जिले की गिनी चुनी मंडियों में गिना जाता है। इस में अपर्याप्त रोशनी वा सुरक्षा के नाकाफी इंतजाम भी चोरों के लिए मदगार साबित हुई है। फरियादी के आवेदन देने के बाद लगातार थाने के चक्कर लगा रहा है पर उसकी एफआईआर नही लिखी गई। पुलिस ने के द्वारा सीसी फुटेज देखने के बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया जो पुलिस की कार्यवाही पर भी प्रश्न चिन्ह लगता है और चोरों के हौसले बुलंद करता है।

इनका कहना है

मेरे द्वारा पहली घटना के बाद लगातार पुलिस थाने के चक्कर लगा रहा हु पर अभी तक पुलिस ने मेरी एफआईआर भी नही लिखी।

-रामबाबू राठौर, फरियादी

हम चोरो के करीब है हम जल्द ही उन्हे पकड़ लेंगे आप फरियादी को भेज दो हम एफआईआर लिख लेंगे।

आदित्य सोनी थाना प्रभारी माचलपुर

हज यात्रा पर जाने वाले नायक परिवार का स्वागत किया

सारंगपुर। मुकद्दस हज यात्रा पर रवाना हो रहे समाजसेवी भूरा भाई नायक का गुरुवार रात्रि में क्षेत्रवासियों द्वारा गर्मजोशी के साथ इस्तकबाल किया गया। हज यात्रा पर जाने की खुशी में उनके निवास पर शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा।

इस दौरान परिजनों, मित्रों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया तथा मुबारकबाद पेश की। हज इस्लाम धर्म की सबसे पवित्र इबादतों में से एक मानी जाती है और इस रूहानी सफर पर रवाना होने वाले भूरा भाई नायक के प्रति लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने उनके सफल, सुरक्षित और आसान सफर के लिए दुआएं मांगीं। सभी ने अल्लाह रब्बुल इज्जत से प्रार्थना की कि उनकी हज यात्रा कुबूल हो और वे सकुशल वापस लौटें। इस अवसर पर रफीक भाई नायक, इरफान नायक ,इमरान खा,हारून नायक,सलमान नायक,रिजवान सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन, ईष्ट मित्र एवं शुभचिंतक मौजूद रहे।

समय पर नहीं पहुंची फायर ब्रिगेड

अज्ञात कारणों से नगर परिषद के कचरा वाहन में लगी आग

कुरावर। नगर परिषद के एक कचरा वाहन में शुक्रवार शाम अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना चंद्रवंशी खाती समाज धर्मशाला परिसर की बताई जा रही है, जहां नगर परिषद के कचरा वाहन खड़े किए जाते हैं। आग की चपेट में आने से वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम करीब 4 बजे परिसर में खड़े एक कचरा वाहन में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। मौके से गुजर रहे बाबूलाल जामलिया ने तत्काल इसकी सूचना नगर परिषद को दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नगर परिषद का फायर ब्रिगेड वाहन पहले से खराब पड़ा हुआ था, जिसके कारण आग बुझाने में काफी देरी हुई। सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद नगर परिषद कर्मचारी नवीन पटेल एवं सावन शर्मा पानी के टैंकर के साथ मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुका था। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी परिसर में एक-दो माह पूर्व खड़े कचरा वाहनों से बैटरी चोरी की घटनाएं भी सामने आई थीं। बावजूद इसके सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। चोरी के मामले में भी अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, जिससे नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

घटना के बाद क्षेत्रवासियों में नगर परिषद की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाता तो वाहन को बचाया जा सकता था।

जनगणना में शत-प्रतिशत कार्य करने वाले प्रगणक सुपरवाइजरों को किया सम्मानित

जीरापुर। जनगणना कार्य के तहत डिप्टी कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी डा. ज्योति राजोरे द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में ग्राम मेलखेड़ी एच एल बी-184 के जनगणना कार्य का निरीक्षण किया। इसमें तहसील कार्यालय में जिन प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का 100: कार्य पूरा हो गया है उनको प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसमें तहसीलदार कमलसिंह सोलंकी द्वारा तहसील जीरापुर की जनगणना कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर आश्वासन दिया कि जीरापुर तहसील जिले में सबसे पहले जनगणना कार्य पूर्ण करने हेतु प्रयासरत है। 'इन मास्टर ट्रेनर्स एवं प्रगणकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर्स रईस मोहम्मद मंसूरी, निर्मल सिंह पवांर, प्रणव खुजनेरी, नवनीत गुप्ता पर्यवेक्षक अनिल पुष्पद, दीपक पवांर, अमित भावसार, बद्रीलाल मालवीय और प्रगणक नरवर सिंह परमार, नारायण सिंह लववंशी को सम्मानित किया गया। नप के 15 वार्डों में 29 गणना ब्लॉक बनाए जहां पर 5 सुपरवाइजर के निर्देशन में 26 प्रगणक सूचीकरण काम कर रहे । इनमें से गणना ब्लॉक 14 के प्रगणक जितेन्द्र मालवीय एवं सुपरवाइजर नवनीत गुप्ता तथा गणना ब्लॉक 7 के प्रगणक गिरीराज गुप्ता एवं सुपरवाइजर अमित भावसार ने शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण पर सीएमओ हरीओम शर्मा द्वारा सम्बंधित प्रगणक एवं सुपरवाइजरों की सराहना की। इसमें जनगणना प्रभारी शहरी कमल भावसार , तकनीकी सहायक ईश्वर राठौर , प्रभारी ग्रामीण शिवनंदन मंड़लोई उपस्थित रहे।

जनगणना कार्य पूर्ण करने में सुठालिया तहसील जिले में अव्वल, तहसीलदार ने ली सुपरवाइजरों की समीक्षा बैठक

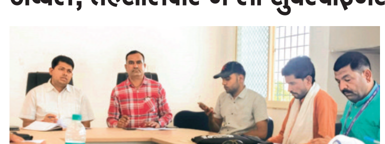

सुठालिया। आगामी जनगणना 2027 को लेकर सुठालिया तहसील कार्यालय में शुक्रवार को महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। तहसीलदार रामनिवास धाकड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी 22 सुपरवाइजर उपस्थित रहे। जनगणना तहसील प्रभारी अरविंद मीना ने क्षेत्र में कार्य के दौरान आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों पर चर्चा की तथा त्रुटियों के त्वरित निराकरण हेतु विस्तृत तकनीकी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने प्रगणकों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार शत-प्रतिशत शुद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया। तहसीलदार रामनिवास धाकड़ ने सर्कलवार एवं प्रगणकवार प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सुठालिया तहसील ने अब तक 27 प्रतिशत कार्य एवं 54 हाउसहोल्ड लिस्टिंग ब्लॉक पूर्ण कर जिले में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। समीक्षा में 50 प्रतिशत से कम प्रगति वाले प्रगणकों पर नाराजगी जताते हुए तहसीलदार ने संबंधितों को तत्काल प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।

समाचार संक्षेप

गुना में शुरू होगी शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026, पिछड़ा वर्ग के युवाओं को मिलेगा निशुल्क प्रशिक्षण

गुना। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान युवक/युवतियों के लिए "शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026" लागू की गई है। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को सेना, अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों, पुलिस, होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए तैयार करना है।इस योजना के अंतर्गत चयनित युवाओं को 45 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसमें उन्हें शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान आवास एवं भोजन की व्यवस्था पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, गुना द्वारा पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गांधी वोकेशनल कॉलेज, कुसमोदा में 15 मई 2026 से प्रारंभ होगा। इसके लिए इच्छुक युवक/युवतियों से 11 मई 2026 तक ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिन्हें पुरानी कलेक्टरेट परिसर स्थित पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, गुना में जमा किया जा सकता है।यह योजना गुना जिले में पहली बार आयोजित की जा रही है, जिसे पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। विभाग के सहायक संचालक बी. सिसोदिया, निरीक्षक राकेश राठौर एवं शाखा प्रभारी पवन भार्गव ने पिछड़ा वर्ग के युवाओं से इस योजना में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।अधिकारियों ने कहा कि इस प्रशिक्षण से युवाओं को भविष्य में सेना, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में भर्ती के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

स्लॉट समाप्त होने पर भी जारी होगी तौल पर्ची

गुना । वर्तमान में समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी केंद्रों पर किसानों की अत्यधिक आवक होने के कारण कुछ किसानों के स्लॉट की अंतिम तिथि होने के बावजूद तुलाई एवं ऑनलाइन बिल जारी करने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पा रही है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया है कि जिन किसानों की स्लॉट अवधि समाप्त हो रही है, उनकी किसान तोल पर्ची स्लॉट के अंतिम दिवस पर ही ई-उपार्जन पोर्टल से जारी कर दी जाएगी। वहीं तुलाई एवं ऑनलाइन बिल जारी कराने के लिए आगामी तिथि निर्धारित करने की व्यवस्था डीएसओ लॉगिन के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है।इस संबंध में सभी खरीदी केंद्रों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि कोई भी किसान गेहूं विक्रय से वंचित न रहे तथा खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके।

कृषि उपज मंडी आरोन का निरीक्षण

गुना । एसडीएम आरोन सुश्री महिमा चौधरी द्वारा कृषि उपज मंडी आरोन का निरीक्षण कर मंडी की नीलामी व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की तथा उनकी समस्याएं भी सुनीं। निरीक्षण के दौरान मंडी परिसर में गलत तरीके से खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर चालानी कार्रवाई की गई एवं सभी वाहनों को व्यवस्थित रूप से खड़ा करवाया गया, जिससे मंडी परिसर में सुचारू आवागमन सुनिश्चित हो सके।

छात्रों के वाहन भी खड़े थे पास, समय रहते फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज के बाहर सूखे पेड़ में लगी आग, मुख्य मार्ग पर मची अफरा-तफरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

शहर के पीजी कॉलेज, वर्तमान पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज के मुख्य द्वार के बाहर शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे खड़े एक पुराने पेड़ के खोखले हिस्से में अचानक आग भड़क उठी। प

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पेड़ के तने के अंदर आग लगा दी गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया।घटना के समय कॉलेज परिसर में छात्र-छात्राओं की आवाजाही जारी थी। पेड़ के नीचे बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन भी खड़े हुए थे। आग की लपटें और धुआं बढ़ता देख मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। लोगों को आशंका थी कि यदि आग वाहनों तक पहुंच जाती तो किसी वाहन में ब्लास्ट जैसी स्थिति बन सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद कॉलेज प्रबंधन, राहगीरों और छात्रों ने राहत की सांस ली।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आग आसपास खड़े वाहनों तक फैल सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान होने की संभावना थी।

वीआईपी मूवमेंट वाले मार्ग पर हुई घटना

जिस स्थान पर यह घटना हुई, वह शहर का अत्यंत व्यस्त और संवेदनशील मार्ग माना जाता है। इसी सड़क से आगे खेल प्रसाल आकाशवाणी केंद्र, जिला जेल, एसपी कार्यालय और पुलिस लाइन जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालय स्थित हैं। दिनभर यहां वीआईपी अधिकारियों और आम नागरिकों का आवागमन बना रहता है। घटना के दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीर रुककर आग बुझाने का प्रयास और दमकल की कार्रवाई देखते रहे। कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित हुआ।

शहर में बढ़ रही आगजनी की घटनाएं

शहर में इन दिनों आगजनी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। शुक्रवार सुबह ही शहर के बीचोंबीच स्थित एक जनरल स्टोर में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई थी। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान का अधिकांश सामान जलकर राख हो गया।हालांकि घटना सुबह के समय हुई, जब बाजार में चहल-पहल शुरू नहीं हुई थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बावजूद इसके दुकानदार और आसपास के रहवासियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठने लगे सवाल

लगातार सामने आ रही आगजनी की घटनाओं के बाद शहर की सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन संसाधनों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी बढ़ाने और आगजनी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

अहिल्या शाखा ने रखवाई पानी की टंकी

गुना। अहिल्या शाखा गुना द्वारा नर सेवा ही नारायण सेवा भाव से सेवा कार्य करते हुए इस भीषण गर्मी में जल ही जीवन है के महत्व को समझते हुए अहिल्या शाखा के सदस्यों द्वारा जगह जगह पानी की टंकिया रखवाई गई। इस अवसर पर अहिल्या शाखा की संरक्षक इंदु सोनी, अध्यक्ष नीरज अवस्थी, सचिन रेनू विकास जैन, ट्रेजर सरिता ग्रोवर, शालिनी धाकड़ और प्रीति शर्मा ने विघ्न हरण बालाजी मंदिर दुबे कॉलोनी सहित नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पानी की टंकी रख उनमें साफ पानी भरा। शाखा कि अध्यक्ष एवं सचिव रेनू जैन ने बताया कि इस भीषण गर्मी में गायों को जल के लिए गहन संघर्ष करना पड़ता है। हमारी गोमाता पानी की खोज में दर दर भटकती रहती हे इसके लिए अहिल्या शाखा की बहनों ने आगे आकर मूक पशुओं की सेवा का संकल्प लेते हुए नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों के आसपास पानी की टंकी उपलब्ध कराई। अभियान निरंतर जारी रहेगा।

बाल कल्याण समिति सदस्य पर अभद्रता के आरोप, अधिवक्ताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

जिला एवं सत्र न्यायालय के अधिवक्ताओं ने बाल कल्याण समिति की एक सदस्य पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए कलेक्टोरेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा और सख्त कार्रवाई की मांग की है। अधिवक्ता अमरीश सिंह रघुवंशी ने बताया कि मामला 29 अप्रैल का है, जब बाल कल्याण समिति द्वारा सोनिया सोनी और उनके पुत्र को नोटिस देकर बुलाया गया था। इसी दौरान वे अपने परिचित की सहायता हेतु सामान्य वेशभूषा में समिति के समक्ष उपस्थित हुए थे। आरोप है कि वहां मौजूद समिति सदस्य ने व्यक्तिगत रंजिश के चलते उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें वहां से चले जाने को कहा। अधिवक्ता का कहना है कि वे केवल एक मित्र के नाते मार्गदर्शन के लिए उपस्थित हुए थे, लेकिन उनके साथ अनुचित व्यवहार किया गया। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि वर्ष 2022 के पार्षद चुनाव की पुरानी रंजिश के कारण यह व्यवहार किया गया। अधिवक्ताओं ने इसे पद की गरिमा के विपरीत बताया। अधिवक्ताओं ने मांग की है कि संबंधित सदस्य के व्यवहार की जांच कराई जाए, उनकी मानसिक स्थिति का परीक्षण जिला चिकित्सालय से कराया जाए तथा उन्हें पद से मुक्त किया जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे और चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा भव्य सेवा सम्मान समारोह आयोजित

गुना के अधिकारी व समाजसेवी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित भव्य "सेवा सम्मान समारोह" में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा गुना जिले में उल्लेखनीय सेवाकार्य करने वाले कई अधिकारियों एवं समाजसेवियों को सम्मान प्रदान किया गया।सम्मानित होने वालों में किशोर कुमार कन्याल, अखिलेश विजयवर्गीय, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश

गोयल, जितेन्द्र ब्रह्मभट्ट, अभिषेक शर्मा तथा नीतीश कुमार जैन प्रमुख रूप से शामिल रहे।जूनियर रेडक्रॉस द्वारा आयोजित प्रादेशिक सद्भावना शिविर के सफल आयोजन एवं जनहितकारी गतिविधियों में योगदान के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कलेक्टर के अनुपस्थित रहने पर उनके प्रतिनिधि ने सम्मान ग्रहण किया।अपने संबोधन में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि रेडक्रॉस जैसी संस्थाएँ मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि समाज सेवा केवल कार्य नहीं बल्कि मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म है।उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग निःस्वार्थ भाव से शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान और जरूरतमंदों की सहायता में योगदान देते हैं, वे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने भी समाज सेवा को मानवता की पहचान बताते हुए ऐसे आयोजनों को प्रेरणादायक बताया। समारोह में रेडक्रॉस के सदस्य, समाजसेवी नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

घेंघट अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत के प्रदेश मंत्री नियुक्त

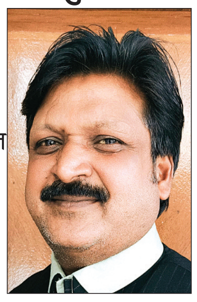

आष्टा। अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत के संस्थापक एवं राष्ट्रीय महासचिव चौधरी सुरेंद्र कुमार लोहट तथा राष्ट्रीय महासचिव/मध्यप्रदेश प्रभारी राहुल निन्धाने से विचार-विमर्श उपरांत प्रदेश अध्यक्ष नवीन पारछै नेआष्टा नगर के युवा नेता राजेश घेंघट को अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया है। राजेश घेंघट वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी आष्टा नगर मंडल में नगर मंत्री के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। घेंघट सामाजिक, धार्मिक एवं जनसेवा के कार्यों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाते

आए हैं तथा समाजहित के विषयों में उनकी सक्रियता और समर्पण सराहनीय रहा है। उनकी संगठन के प्रति निष्ठा, समाजसेवा की भावना एवं निरंतर सक्रिय कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

घेंघट की नियुक्ति से समाजजनों में विशेष उत्साह एवं हर्ष का वातावरण व्याप्त है। क्षेत्रभर से स्नेही जनों ने घेंघट को बधाई शुभकामनाएं दी गई ।

11 महीनों से बिना स्थाई इंजीनियर के चल रही नगर परिषद कोठरी

बिना इंजीनियर नगर परिषद के विकास कार्य फाइलों में दफन, कई काम पड़े ठप

इंजीनियर की गैरमौजूदगी में सड़कों, नालियों, निर्माण कार्यों और प्रधानमंत्री आवास योजना की फाइलें धूल खा रही।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोठरी

नगर परिषद कोठरी इन दिनों विकास का केंद्र नहीं, बल्कि अव्यवस्था और लापरवाही का प्रतीक बन चुकी है। पिछले करीब 11 महीनों से नगर परिषद बिना स्थायी इंजीनियर के चल रही है और इसका खामियाजा सीधे गरीब जनता भुगत रही है। करोड़ों के विकास कार्य फाइलों में दफन हैं, जबकि जिम्मेदार अफसर सिर्फ कागजी खानापूर्ति में व्यस्त हैं।

अटके पड़े परिषद के कई कार्य

नगर परिषद की हालत ऐसी हो चुकी है कि प्रभारी इंजीनियर हफ्ते में कभी दिख जाएं तो बड़ी बात मानी जाती है। इंजीनियर की गैरमौजूदगी में सड़कों, नालियों, निर्माण कार्यों और प्रधानमंत्री आवास योजना की फाइलें महीनों से धूल खा रही हैं। नगर का विकास पूरी तरह "राम भरोसे" चल रहा है, लेकिन इसके बाद भी परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों के चेहरे पर शिकन तक नहीं है। सबसे ज्यादा दर्द उन गरीब परिवारों का है, जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के भरोसे अपने सपनों का घर बनाना शुरू किया था। किसी का मकान अधूरी दीवारों पर अटका है, तो कोई छत डालने के लिए किस्त का इंतजार कर रहा है। बारिश सिर पर खड़ी है, लेकिन अफसर एसी कमरों में बैठकर सिर्फ आदेशों और बहानों की राजनीति कर रहे हैं।

11 माह से बिना इंजीनियर के नप

सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि आखिर 11 महीने तक बिना इंजीनियर के नगर परिषद चलाने की अनुमति किसने दी? क्या शासन और प्रशासन को कोठरी की जनता दिखाई नहीं दे रही? या फिर जानबूझकर नगर को विकास से वंचित रखा जा रहा है?

लोगों में दिख रहा आक्रोश

स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अगर बारिश से पहले इंजीनियर की नियुक्ति और रुके कार्य शुरू नहीं हुए, तो अधूरे मकानों में रहने वाले गरीब परिवार खुले आसमान के नीचे जिंदगी बिताने को मजबूर होंगे। लेकिन शायद जिम्मेदारों को तब भी फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन इस का असर आम नागरिकों पर जरूर पड़ेगा।

शासन से की है मांग

जून 2025 में इंजीनियर का स्थानांतरण हो गया था। सितंबर 2025 में सीहोर नगर पालिका की इंजीनियर को दो दिवस का प्रभार सौंपा गया है। शासन से स्थायी इंजीनियर की मांग की गई है, ताकि विकास कार्य तेजी से हो सकें।"

नरेंद्र जाटव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी

चोरी कांड के खुलासे की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

भगवान की मूर्तियां बरामद कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध नवग्रह जिनालय ग्रेटर बाबा में हुई बड़ी चोरी की घटना को लेकर जैन समाज में लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है। घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को कोई ठोस सफलता नहीं मिलने पर आष्टा के अखिल भारतीय पुलक महिला जागृति मंच मेन, श्री दिगंबर जैन सामाजिक कल्याण न्यास सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने समाज के पूर्व संरक्षक दिलीप सेठी, विधानचंद जैन श्रीमोड, समाज के वरिष्ठ सुखानंद जैन आदि के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम नितिन कुमार टाले को सौंपकर भगवान की चांदी एवं अष्टधातु की मूर्तियाँ चोरी के मामले के शीघ्र खुलासे एवं आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।ज्ञापन अखिल भारतीय पुलक एवं महिला जागृति मंच मेन शाखा आष्टा, श्री दिगंबर जैन सामाजिक कल्याण न्यास आष्टा तथा समस्त समाजजन एवं श्रद्धालुओं की ओर से प्रस्तुत किया गया।ज्ञापन का वाचन श्री दिगंबर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष यतेन्द्र जैन भूरु भाई ने करते हुए कहा कि सोमवार 4 मई की देर रात अज्ञात चोरों ने नवग्रह जिनालय ग्रेटर बाबामें धावा बोलकर भगवान की पांच चांदी की मूर्तियां, चार अष्टधातु की प्रतिमाएं, 25 कलश, एक छत्र, पांडुकशिला तथा पूजा में उपयोग होने वाले चांदी के बर्तन सहित कई पूजनीय धार्मिक सामग्री चोरी कर ली।समाजजनों ने इसे केवल चोरी की घटना नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा पर गहरा प्रहार बताया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मंदिरों में स्थापित प्रतिमाएं और धार्मिक सामग्री करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं से जुड़ी होती हैं। ऐसी घटनाएं समाज में असुरक्षा एवं आक्रोश का वातावरण निर्मित करती हैं।समाज प्रतिनिधियों ने कहा कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस प्रशासन अब तक किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाया है, जिससे श्रद्धालुओं में चिंता एवं नाराजगी लगातार बढ़ रही है। समाज ने मांग की कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कर शीघ्र आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए तथा चोरी गई भगवान की प्रतिमाएं सहित धार्मिक सामग्री बरामद की जाए।ज्ञापन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से यह भी आग्रह किया गया कि प्रदेश भर के मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। प्रमुख मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे, रात्रि गश्त एवं सुरक्षा प्रबंधन बढ़ाने जैसे प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।समाजजनों ने मुख्यमंत्री से मामले में त्वरित एवं सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा शासन एवं प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज के विधानचंद श्रीमोड, दिलीप सेठी,सुखानंद जैन,नरेन्द्र जैन उमंग ,नरेन्द्र गंगवाल ,जितेंद्र जैन,यतेंद्र जैन श्रीमोड,प्रशांत जैन, प्रशाल प्रगति,नीरज जैन पूजा,एडवोकेट पल्लव प्रगति ,सुमत जैन स्वस्तिक, पार्षद कमलेश जैन, डॉ राजेंद्र जैन वर्धमान,सुरेश जैन अलीपुर, इंदर जैन अलीपुर ,दिनेश जैन सहारा, मोहित कासलीवाल ,भूपेंद्र जैन,नितेश जैन बजरंग कालोनी, दीपक जैन कंचन, अमर जैन गुरुकृपा, मनोज जैन, राजू श्रीमोड ,विकास जैन चिक्कू, सिद्धांत सेठी, राहुल सेठी, एडवोकेट मंजीत जैन,नितेश जैन पान,अंकित गोपी श्रीमोड सहित अनेक पदाधिकारी और श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

पंचायत सचिव संगठन के अध्यक्ष पद पर वर्मा नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

पंचायत सचिव संगठन जनपद पंचायत आष्टा के अध्यक्ष पद के लिये निर्वाचन की बैठक जनपद पंचायत आष्टा के सभा कक्ष में सम्पन्न हुई । आहूत की गई बैठक में सभी वरिष्ठ पंचायत सचिवो ने अपने अपने विचार व्यक्त किये । सभी सचिवों ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।

बैठक में अध्यक्ष का निर्वाचन निर्विरोध हो इस हेतु उपस्थित सचिवों द्वारा ग्यारह सदस्यों की समिति बनाकर उक्त समिति को निर्विरोध अध्यक्ष का नाम तय करने का निर्णय लेने को कहा गया । गठित उक्त समिति द्वारा गहन मंथन कर वरिष्ठ पंचायत सचिव लक्ष्मीचंद वर्मा को सर्व सम्मति से संगठन का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। ज्ञात हो कि वर्मा पूर्व में भी के अध्यक्ष रह चुके हैं ।

वर्मा को संगठन के विक्रम सिंह मेवाडा,मांगीलाल ठाकुर,बाबूलाल मालवीय, विक्रम सिंह ठाकुर, एलकारसिंह राजपूत, लखन वर्मा, रमेश सेन, गोपीलाल गुणवान, कमलसिंह प्रजापत, जगदीश पाटीदार, विजेंद्र गुप्ता, विनोद वर्मा, प्रमोद ठाकुर आदि सभी सचिवों द्वारा साफा बांध कर तथा पुष्पमाला पहनाकर स्वागत, सम्मान कर सभी ने बधाई दी।

गेहूं खरीदी केंद्रों पर कई अव्यवस्थाएं, भीषण गर्मी से किसानों के हाल बेहाल, लग रहीं लंबी कतारें

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

ब्लॉक के गेहूं खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्था बनी हुई है। अधिकांश 25 केंद्रों में से 22 पर पिछले साल का गेहूं भरा होने के कारण नई खरीदी प्रभावित हो रही है। खराब मौसम और बारिश की आशंका के चलते खुले में तुलाई से भी बचा जा रहा है।इस अव्यवस्था के कारण किसान परेशान हैं। और इस भीषण गर्मी में किसानों के हाल बेहाल बने हुए हैं। शुजालपुर मार्ग पर शिवहरे वेयरहाउस के पास 300 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियां तुलाई के इंतजार में खड़ी हैं, जिससे लगभग 4 किलोमीटर लंबी कतार लग गई है। अन्य केंद्रों पर भी ऐसी ही लंबी कतारें देखी जा सकती हैं। तो ऐसा ही नजारा कन्नौद रोड स्थित सरकारी वेयर हाउस के सामने के बने हुए हैं जहां किसान अपनी बारी का इंतजार कई दिनों से लाइन में खड़े होकर कर रहा है

स्लॉट अवधि हो रही समाप्त

प्रत्येक केंद्र पर 70-80 ट्रॉलियां स्लॉट बुक कराकर पहुंच रही हैं, लेकिन बिलिंग न होने से तुलाई नहीं हो पा रही है। किसानों को चिलचिलाती धूप में घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ रहा है। कई किसानों की स्लॉट अवधि समाप्त होने की स्थिति में है, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ रही है।

मौसम दो दिन से खराब

किसान रामचंद्र मालवीय और विक्रम सिंह मेवाडा ने समस्या के त्वरित समाधान और खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों से मौसम खराब है, दिन में धूप और शाम को आंधी-हवा के कारण तुलाई कार्य में तेजी लाने की आवश्यकता है। सीहोर जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर की समीक्षा बैठक में आष्टा विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने खरीदी केंद्रों पर किसानों को हो रही परेशानियों के साथ-साथ पीएचई और जल जीवन मिशन के धीमे कार्यों पर भी नाराजगी व्यक्त की।

बढ़ाएंगे तौल कांटे

एसडीएम नितिन कुमार टाले ने कहा कि आष्टा ब्लॉक के सभी समर्थन मूल्य केंद्रों पर सुचारु रूप से तुलाई कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि एक समर्थन केंद्र पर दो से तीन तौल कांटे से तुलाई की जा रही है। यदि कहीं ज्यादा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की कतार है, तो वहां तौल कांटे बढ़ाए जाएंगे।

तैयारियों का वरिष्ठ अधिकारियों ने लिया जायजा

सीहोर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के भैरूंदा में 10 मई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का कलेक्टर बालागुरू के., केंद्रीय कृषि मंत्री के सचिव प्रवीण सिंह, एसपी सुश्री सोनाक्षी सक्सेना, जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव और एएसपी श्रीमती सुनीता रावत ने जायजा लिया। इस दौरान बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव, भैरूंदा एसडीएम सुधीर कुशवाह, रवि मालवीय आदि उपस्थित थे।

अवतरण दिवस पर धार्मिक आयोजन आज से शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

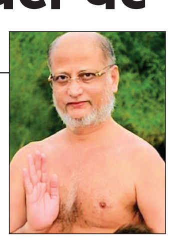

भारत गौरव,राष्ट्रसंत, शांति दूत की उपाधि से विभूषित मनोज्ञाचार्य जिनशरणम तीर्थ प्रणेता 108 पुलक सागर महाराज के 56 वें अवतरण दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय पुलक एवं महिला जागृति मंच मेन शाखा आष्टा द्वारा तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित होंगे। महिला जागृति मंच मेन अध्यक्ष श्रद्धा नरेन्द्र गंगवाल एवं संरक्षक प्रीति जिनेन्द्र जैन ने बताया कि रविवार 10 मई से प्रारंभ होने वाले इस आयोजन के तहत श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर गंज में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के प्रथम दिवस प्रातः 7 बजे भगवान श्री पार्श्वनाथ की अष्टधातु प्रतिमा पर विशेष शांतिधारा का आयोजन किया जाएगा। यह शांतिधारा पुलक मंच की टीम मंदिर समिति के प्रमुखों एवं समाजजनों के साथ मिलकर करेगी। गंगवाल, श्रीमती जैन ने बताया कि राष्ट्रसंत पुलक सागर महाराज के अवतरण दिवस को देशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। जहां-जहां अखिल भारतीय पुलक एवं महिला जागृति मंच की शाखाएं संचालित हैं,वहां स्थानीय स्तर पर धार्मिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मंच के सभी पदाधिकारी और सदस्य इसे अपना परम सौभाग्य एवं कर्तव्य मानकर आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाते हैं। श्रीमती गंगवाल ने बताया कि राष्ट्रसंत पुलक सागर महाराज ने अपने प्रवचनों और जीवन संदेशों के माध्यम से समाज को शांति, संयम, सद्भाव और धर्ममय जीवन जीने की प्रेरणा दी है। उनके अवतरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी को भी धर्म और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। पुलक एवं महिला जागृति मंच ने समाज के सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

राधेश्याम विहार में गोपेश्वर विधि-विधान से महादेव को विराजमान कर श्रद्धालुओं ने किया विशेष श्रृंगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

आस्था और उत्साह के साथ शहर के मुगीसपुर स्थित श्री राधेश्याम विहार कालोनी में श्री शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्री लघु रुद्र महायज्ञ के समापन के पश्चात शनिवार को मंदिर में स्थित शिवलिंग का फूलों से श्रृंगार किया। इस मौके पर संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी ने

बताया कि श्री राधेश्याम विहार कालोनी परिवार के तत्वाधान में लगातार पांच दिनों तक महोत्सव का आयोजन किया गया था, अब आस्था और उत्साह के साथ श्रद्धालुओं ने भगवान शिव लिंग का विशेष श्रृंगार किया और प्रसादी का वितरण किया। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से गोपेश्वर महादेव के दर्शन करने की अपील की।

राजश्री कॉलेज में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया

प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का पुरस्कार से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

राजश्री कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज आष्टा में प्रतिवर्षानुसार आयोजित होने वाली श्प्रतिभा खोज परीक्षाश का भव्य समापन हुआ। शनिवार को महाविद्यालय परिसर में परीक्षा का परिणाम घोषित कर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गयाए जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रतिभागी छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक शामिल हुए। पुरस्कारों की रही धूम प्रतियोगिता में पदमा परमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। जिन्हें मुख्य अतिथियों राकेश परमार और मदन परमार द्वारा लैपटॉप प्रदान किया गया। द्वितीय स्थान पर रहे सुमित फुलवान को पर्सनल कंप्यूटर और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विशाल मेवाड़ा को एलइडी टीवी देकर सम्मानित किया गया। चतुर्थ व पांचवें स्थान पर रहे राजेश मेवाड़ा और नितेश मेवाड़ा को मिक्सर ग्राइंडर भेंट किया गया। इसी क्रम में छठे से दसवें स्थान तक के प्रतिभागियों को साउंड सिस्टमए 11 से 15 स्थान तक आयरन प्रेसद्धए 16 से 20 तक डॉक्यूमेंट फाइल और 21 से 50वें स्थान तक के विद्यार्थियों को आकर्षक फ्रेम प्रदान किए गए। उत्साहवर्धन हेतु 50 के बाद के सभी प्रतिभागियों को

प्रमाण पत्र एवं पेन वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन ओमप्रकाश मेवाड़ा द्वारा किया। इस अवसर पर महाविद्यालय संचालक बीएस परमार, प्रभारी प्राचार्य अर्जुन परमार, मीडिया प्रभारी मनोज कमलोदिया, सविता बैरागी, राहुल सेन, रामवती मेवाड़ा, प्रहलाद मेवाड़ा, द्वारकाप्रसाद करमोदिया, पुष्पा मेवाड़ा, पूजा परमार, अखिलेश सक्सेना, पूजा मेवाड़ा, माया मेवाड़ा, ममता तिवारी, कविता भूतिया, रंजना परमार, मनोहर लाल, विनोद मीणा, रवि मेवाड़ा, अरविंद यादव, रीना यादव, शिवराम परमार व समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। संचालक बीएस परमार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे आने का मंच मिलता है।

अजाजजापि वर्ग संगठनों ने नपा से उपवन में प्रतिमा लगाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

अनसुचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग अल्प संख्यक समुदाय के प्रतिनिधि मण्डल एवं प्रतिष्ठित वकिलों एवं पैशे से प्रतिष्ठित डॉक्टरों द्वारा सीहोर जिला मुख्यालय स्थित अदालत रोड पर डॉक्टर अम्बेडकर जी के उपवन में संविधान निर्माता परमपूज्य डॉ.भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा लगाने की मांग नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर से की गई, जो सामाजिक न्याय और सम्मान का प्रतीक है। जहाँ गवालियर हाईकोर्ट परिसर में डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा लगाने के मामले में जातिगत मानसिकता के कारण कुछ वकिलों द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिसमें संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो गई है। वहीं दूसरी ओर दलित पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक समूदाय तथा सीहोर शहर के प्रतिष्ठित वकिलों द्वारा प्रतिमा स्थापित की मांग सीहोर में जोर पकड़ती दिखाई दे रही है, जिसे लेकर नपाध्रूक्ष प्रिंस विकास राठौर को ज्ञापन भेजकर शीघ्र प्रतिमा लगाने की मांग की गई है। प्रतिमा लगाने की मांग करने वालों में प्रमुख रूप से पैशे से प्रतिष्ठित डॉ.अनीस खान, अनुसूचित जाति जन जाति पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण परिषद के प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र खंगराले जाटव दलित चिंतक, प्रीतम दयाल चौरसिया प्रदेश महामंत्री म.प्र.पि.वर्ग कांग्रेस, कुतुबुद्दीन शेख प्रदेश अध्यक्ष दलित मुस्लिम महासंघ, श्रवण वास्तवार प्रतिष्ठित वकील, रामचरण दसलानिया अध्यक्ष, दयाराम गवाटिया सचिव श्री सूर्यवंशी समाजिक विकास समिति जिला सीहोर, सन्नी जाटव अध्यक्ष जिला सीहोर जाटव समाज कल्याण संगठन, तत्कालीन पार्षद आरती नरेन्द्र खंगराले, वरिष्ठ पत्रकार संतोष सिंह, वरिष्ठ एडवोकेट विजय सक्सेना, अनुज श्रीवास्तव, शंकर खरे, संजय पटेल, मनीष राठौर, जांगड़ा समाज प्रतिनिधि राजकुमार चौधरी शासकीय ठैकेदार, शेलेन्द्र धनवारे, डी.पी.आर्य, धन्नालाल परचौले, पन्नालाल खंगराले, महेश राठौर, कमलकिशोर जाटव, घनश्याम जाटव, दीपक सोनकर, मदन मालवीय पूर्व प्राचार्य, पूर्व सरपंच नन्दकिशोर मालवीय, राहुल कचनेरिया, टीटू कचनेरिया, नरेन्द्र बनवैया, नारायण सिंह परिहार आदि लोग प्रमुख है।